Press Release

Driven by its mission to stop misuse of antibiotics, EARS concludes week-long campaign with motorcycle rally

- **A cavalcade of about 60 motorcycles driven by EARS volunteers traverse a distance of 22 km, covering major hospitals of the tricity**
- **EARS conducted a series of activities from November 15 to 22 to promote rational use of antibiotics among doctors, clinicians, pharmacists and general public**
- ***EARS initiative receives 18 endorsements from research labs, clinics, institutes, pharmaceutical publications; public support evident as EARS membership crosses 20,000, up from 11,000 last year***

The Emerging Antimicrobial Resistance Society (EARS), a non-profit, non-governmental organisation which has waged a determined battle against drug-resistant bacteria that are defying antibiotics, concluded its second "Awareness Week on Antibiotic Knowledge and Education" (Awake) campaign to promote the rational use of antibiotics with a motorcycle rally from the National Institute of Pharmaceutical Education and Research (NIPER) in Mohali to General Hospital, Panchkula.

The irrational use of antibiotics has led to the emergence of dangerous bacterial strains against which even the most powerful antibiotics have stopped working. These drug-resistant strains could make even common infections life-threatening. To draw attention to this growing problem, considered one of the world's gravest public health threats, EARS conducted a series of activities from November 15 to 22 to promote the rational use of antibiotics among doctors, clinicians, pharmacists and the general public.

Carrying banners with slogans like "In cough, cold and sneeze, no antibiotics please", "Use antibiotics wisely and be healthy" and "Take action today to save tomorrow", a cavalcade of about 60 motorcycles driven by EARS volunteers traversed a distance of 22 km, covering major hospitals of the tricity, including Ivy, Cosmo and Max hospitals in Mohali, Government Medical College and Hospital (GMCH), Chandigarh, Command Hospital, Chandimandir and General Hospital, Panchkula. At these hospitals, EARS volunteers were greeted by doctors who endorsed the EARS campaign and urged people not to take antibiotics without doctor's advice.

EARS Chairperson Dr Manu Chaudhary applauded EARS volunteers for making the Awake campaign a grand success for the second consecutive year. "The success of our initiatives is reflected in the fact that more than 20,000 people across the country have now joined EARS as members, up from 11,000 last year. They include doctors, researchers, students as well as the general public. We aim at doubling the membership by next year. This year, EARS has got 18 endorsements for this initiative from research labs, clinics, institutes and pharmaceutical publications," she said.

Stressing that no new drug discovery or revolutionary treatment technique can avert this threat unless people understand the importance of rational use of antibiotics, Dr Chaudhary said, "During the weeklong campaign, we propagated the importance of creating awareness among the masses about the dangers of antibiotic misuse and

stopping the over-the-counter sale of these medicines. We thank all our supporters, especially the microbiologists and doctors who played a crucial role in making this campaign successful by constantly guiding and motivating us. We will take this campaign to its logical conclusion by continuing with such efforts in times to come."

Receiving the rally, Dr Sachin Verma, an intensivist at Ivy Hospital, Mohali, appreciated the initiative of EARS and stressed on the need to make people aware about the consequences of misuse of antibiotics. "We endorse the mandate of EARS to facilitate antibiotic surveillance programmes. We can contain this threat to a large extent by following simple hygiene and sanitation practices like washing hands, in both community and hospital settings."

During the week-long campaign, EARS generated awareness about the right use of antibiotics by sending across bulk SMSes to people and holding one-on-one meetings with doctors, microbiologists and chemists. "We also conducted cleanliness drives in tricity schools to drive home the importance of hygiene and sanitation in containing this threat," said EARS Vice-President Dr Pankaj Mandale.

In its efforts to facilitate a comprehensive understanding of the incidence, causes and patterns of antimicrobial resistance (AMR) in India, EARS has established a vast network of healthcare institutions and research centres across the country for the surveillance of bacterial strains resistant to antibiotics. "We have adopted a multipronged approach with focus on encouraging research and innovation, rationalising antibiotic use, facilitating surveillance programmes and raising awareness about the right use of antibiotics. Exploring ways to evolve a consensus on long-term solutions, EARS has developed a software for antibiotic resistance surveillance called Electronic Bio-gram Information Network (E-BIN) across 15 states and set up 150 centres for data collection and analysis. We have mapped emerging AMR patterns for more than 15 antibiotics/combinations for close to 28,000 bacterial strains," said Dr Chaudhary.

News Coverage

S. No.	Name of the Publications	Edition
1	Ajit Samachar	Chandigarh
2	Amar Ujala	Chandigarh
3	Dainik Jagran	Chandigarh
4	Dainik Bhaskar	Chandigarh
5	Daily Post	Chandigarh
6	Dainik Savera	Chandigarh
7	Desh Sewak	Chandigarh
8	Jag Bani	Chandigarh
9	Punjab Kesari	Chandigarh
10	Rozana Spokesman	Chandigarh

11	Satya Swadesh	Chandigarh
12	The Pioneer	Chandigarh
13	The Tribune	Chandigarh
Online Coverage		
14	Times of India	Online
15	The Tribune	Online
16	News wala	Online
Electronic Coverage		
17	Zee Punjabi	
18	ETV News	
19	Fast Way News	

Ajit Samachar

एंटीबॉयोटिक्स के गलत इस्तेमाल के खिलाफ ईएआरएस का अभियान

एस.ए.एस नगर, 22 नवंबर (ललिता जामवाल): एर्मिजिंग एंटीमाइक्रोबॉयल रिजिसटेंस सोसायटी (ईएआरएस),की ओर से 'अवेयरनेस वीक ऑन एंटीबॉयोटिक नॉलेज एंड एजुकेशन', (अवेक) अभियान, के समापन मौके शनीवार को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्टिकुल एजुकेशन एंड रिसर्च (नाइपर), मोहाली से एक मोटरसाइलिक रैली जनरल हॉस्पिटल, पंचकूला तक आयोजित की गई। बता दें कि एर्मिजिंग एंटीमाइक्रोबॉयल रिजिसटेंस सोसायटी (ईएआरएस) द्वारा गत 15 से 22 नवंबर तक एक सप्ताह तक चलने वाला जागरूकता अभियान आयोजित किया। जिसमें एंटीबॉयोटिक्स के तार्किक इस्तेमाल को प्रोत्साहित करने के लिए इस अभियान में डॉक्टर्स, क्लीशियंस, फार्मासिस्ट्स और आम लोगों को जोड़ा गया। इस रैली में शामिल वालंटियर्स ने बैनर्स पकड़े हुए थे, जिन पर विभिन्न संदेश लिखे थे जैसे

एर्मिजिंग एंटीमाइक्रोबॉयल रिजिसटेंस सोसायटी (ईएआरएस) द्वारा नाईपाल से आरंभ हुई मोटर साइकिल रैली का दृश्य। (छाया : ललिता जामवाल)

कि इन कफ, कोल्ड एंड स्त्रीज, नो एंटीबॉयोटिक प्लीज, यूज एंटीबॉयोटिक्स वाइजली और वी हेल्दी, टेक एक्शन टुडे टू सेव टुमारो। इस काफिले में 60 से अधिक मोटरसाइकिल शामिल थे जिन्हें ईएआरएस वालंटियर्स ने चलाया और 22 किलोमीटर की दूरी तय की और ट्राईसिटी के सभी प्रमुख अस्पतालों को कवर किया, जिनमें आईवी, कोस्मो और मैक्स हॉस्पिटल, मोहाली, जीएमसीएस, चंडीगढ़, कमांड हॉस्पिटल, चंडीमंदिर और जनरल हॉस्पिटल, पंचकूला शामिल हैं। इन अस्पतालों में ईएआरएस वालंटियर्स ने डॉक्टर्स से मुलाकात कर उन्हें शुभ संदेश दिया और वे भी ईएआरएस अभियान में शामिल हुए और सभी लोगों को कहा गया कि डॉक्टर्स की सलाह के बिना एंटीबॉयोटिक्स का सेवन ना करें।

रैली का स्वागत करते हुए डॉ.सचिन वर्मा, इंटेनिसीविस्ट, आईवीवाई हॉस्पिटल, मोहाली ने ईएआरएस के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि लोगों को एंटीबॉयोटिक्स के गलत उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक बनाना होगा। इसके परिणाम भयावह हो सकते हैं। ईएआरएस वालंटियर्स के प्रयास की सराहना करते हुए ईएआरएस के चेयरमैन डॉ.मनु चौधरी ने कहा कि कोई भी नई दवा या इलाज तकनीक इस खतरे से निपट नहीं सकती है और ऐसे में एंटीबॉयोटिक दवाओं का तार्किक उपयोग ही एकमात्र उपाय बचता है। इस समस्या के विभिन्न पहलुओं को समझने और उसके अन्य चीजों से मिलने के बाद पैदा हुए हालात को समझकर उचित समाधान देने के उद्देश्य से निर्देशित है ताकि एक सुगठित रणनीति बना कर उस पर काम किया जा सके।

Amar Ujala

एंटीबायोटिक का अंधाधुंध इस्तेमाल है जानलेवा

अमर उजाला ब्यूरो

चंडीगढ़। एंटीबायोटिक्स का अंधाधुंध इस्तेमाल जानलेवा हो सकता है। इमर्जिंग एंटीमाइक्रोबायल रिजिस्टेंस सोसायटी (ईएआरएस) ने एंटीबायोटिक्स अंधाधुंध इस्तेमाल के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए अभियान छेड़ा हुआ है।

अभियान के अंतिम दिन नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मासिटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (नाइपर) मोहाली से लेकर पंचकूला जनरल हॉस्पिटल तक बाइक रैली निकाली गई। रैली के दौरान बताया गया कि बिना डॉक्टरी सलाह के एंटीबायोटिक का इस्तेमाल करने से से जानलेवा बैक्टीरियल और ताकतवर बनकर लौटते हैं।

यही कारण है कि बाद में उन पर एंटीबायोटिक्स का भी असर नहीं होता। अभियान के दौरान डॉक्टर, क्लीशियंस, फार्मासिस्ट्स और आम लोगों को जोड़ने का प्रयास किया है। ईएआरएस के चेयरमैन डॉ. मनु चौधरी ने बताया कि अभियान को दूसरे साल ही बड़ी सफलता मिली है। सदस्यों की संख्या एक साल में 11 हजार से बढ़कर 20 हजार से अधिक हो गई है।

> डॉक्टर से बिना पूछे दवाई लेने से बीमारी का वायरस और भी ताकतवर होकर लौटता है, कंट्रोल करना होता है मुश्किल

ईएआरएस के वाइस प्रेसिडेंट और महासचिव डॉ. पंकज मंडाले ने कहा कि सप्ताह भर के इस अभियान के दौरान ईएआरएस एसएमएस भेज कर भी आम लोगों को एंटीबायोटिक्स के सही इस्तेमाल के बारे में जानकारी देंगे। रैली का स्वागत आईवीवाई हॉस्पिटल के इंटेनिसीविस्ट डॉ. सचिन वर्मा ने किया।

Dainik Jagran

एंटीबॉयोटिक्स खतरों के खिलाफ निकाली रैली

एंटीबॉयोटिक्स के गलत इस्तेमाल के खिलाफ ईएआरएस का अभियान

- शहर में रैली निकाल लोगों को किया जागरूक

जागरण संवाददाता मोहाली : एमिंजिंग एंटीमाइक्रोबॉयल रिजिसटेंस सोसायटी (ईएआरएस) देश में एंटीमाइक्रोबॉयल प्रतिरोध के मामलों, कारणों और प्रकारों के बारे में अच्छी तरह से समझने के बाद तथ्यों को एकत्र करेगा। इनसे निपटने के लिए नए उपायों को परिभाषित कर रहा है, के इस दूसरे सत्र में 'अवेयरनेस वीक ऑन एंटीबॉयोटिक नॉलेज एंड एजुकेशन', (अवेक) अभियान, आयोजित किया गया। इसमें एंटीबॉयोटिक दवाओं के तार्किक इस्तेमाल को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस सप्ताह के समापन के मौके पर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्टिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (नाइपर), मोहाली से एक बाइक रैली जनरल हॉस्पिटल, पंचकूला तक आयोजित की गई।

इन दवाओं के बिना किसी सोच समझ के इस्तेमाल से जानलेवा बैक्टीरियल समूहों को फिर से मजबूत होकर वापसी करने का मौका मिला है और वे अब सबसे सशक्त एंटीबॉयोटिक्स से भी बेअसर रहते हैं। एक दवा प्रतिरोधी बैक्टीरिया समूह कई बार जान तक जोखिम में डाल सकते हैं। समस्या के बारे में लोगों का ध्यान आकर्षित करने के लिए एमिंजिंग एंटीमाइक्रोबॉयल रिजिसटेंस सोसायटी (ईएआरएस) ने 15 से 22 नवंबर तक एक सप्ताह तक चलने वाला जागरूकता अभियान आयोजित किया। एंटीबॉयोटिक्स के तार्किक इस्तेमाल को प्रोत्साहित करने के लिए इस अभियान में डॉक्टर्स, क्लीशियंस, फार्मासिस्ट्स और आम लोगों को जोड़ा गया।

एंटीबायोटिक्स के बिना डॉक्टरी सलाह से होने वाले नुकसान से आगाह करते लोग।

डॉक्टरी सलाह के बिना एंटीबायोटिक्स का प्रयोग खतरनाक : रैली में शामिल वालंटियर्स ने बैनर्स पकड़े हुए थे, जिन पर विभिन्न संदेश लिखे थे जैसे कि इन कफ, कोल्ड एंड स्नीज, नो एंटीबॉयोटिक प्लीज, यूज एंटीबॉयोटिक्स वाइजली और वी हल्दी, टेक एक्शन टुडे टू सेव टुमारो। इस काफिले में 60 से अधिक मोटरसाइकिल शामिल थे जिन्हें ईएआरएस वालंटियर्स ने चलाया और 22 किलोमीटर की दूरी तय की और ट्राईसिटी के सभी प्रमुख अस्पतालों को कवर किया, जिनमें आईवी, कोस्मो और मैक्स हॉस्पिटल, मोहाली, जीएमसीएस, चंडीगढ़, कमांड हॉस्पिटल, चंडीमंदिर और जनरल हॉस्पिटल, पंचकूला शामिल हैं। इन अस्पतालों में ईएआरएस वालंटियर्स ने डॉक्टर्स से मुलाकात कर उन्हें शुभ संदेश दिया और वे भी ईएआरएस अभियान में शामिल हुए और सभी लोगों को कहा गया कि डॉक्टर्स की सलाह के बिना एंटीबॉयोटिक्स का सेवन ना करें।

अभियान का आम जनता ने किया समर्थन : ईएआरएस वालंटियर्स के प्रयास की सराहना करते हुए ईएआरएस के चेयरमैन डॉ. मनु चौधरी ने कहा कि अवेक अभियान को दूसरे साल में ही शानदार सफलता मिली है। इस का सबसे बड़ा प्रमाण है कि इसके सदस्यों की संख्या एक साल में ही 11000 से बढ़कर 20000 हजार से अधिक हो गई है। इनमें डॉक्टर्स, रिसर्चर्स, स्टूडेंट्स और आम लोग भी शामिल हैं। ईएआरएस इनीशिएटिव के तहत रिसर्च लैब्स, क्लीनिक्स, इंस्टीट्यूट्स,फार्मास्टिकल पब्लिकेशंस से 18 एंडोर्समेंट मिले, आम लोगों का समर्थन भी मिला है।

लोगों को भेजे जागरुकता संदेश : ईएआरएस के वाइस प्रेसिडेंट एवं महासचिव डॉ पंकज मंडाले ने कहा कि इस सप्ताह भर के अभियान के दौरान ईएआरएस आम लोगों को बड़ी संख्या में एसएमएस भेजकर भी एंटीबॉयोटिक्स के सही इस्तेमाल के बारे में जागरूकता संदेश दिया गया।

Dainik Bhaskar

खांसी, वॉयरल बुखार, जुखाम होने पर एंटीबॉयोटिक न लें, रैली निकाली

मोहाली. इमर्जिंग एंटी माइक्रोबॉयल रेजिस्टेंस सोसायटी (ईएआरएस) की ओर से एक मोटरबाइक रैली निकाली गई। रैली में लोगों को एंटी बॉयोटिक के बेवजह इस्तेमाल को रोकने के प्रति जागरूक करने के लिए किया गया। रैली शनिवार सुबह नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मासियूटीकल्स एंड रिर्सच(नाइपर)से शुरू हुई जो शहर के मुख्य मार्गों से होकर प्राइवेट मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटलों में गई। यह सप्ताह एंटीबॉयोटिक के प्रति लोगों को जानकारी देने के रूप में मनाया जाएगा। यह रैली पूरे ट्राईसिटी में गई। ईएआरएस की चेयरपर्सन डॉ. मधू चौधरी ने बताया कि उनकी संस्था को लोगो का सहयोग मिल रहा है।
एंटीबॉयोटिक का बिना वजह इस्तेमाल शरीर में बीमारी से लड़ने की ताकत को कम करता है। साथ ही जब जरूरत एंटीबायोटिक देने की पड़ती है तो वह भी ठीक प्रकार से रिस्पांड नहीं कर पाता है। एंटीबायोटिक कभी अपनी मर्जी से न लें किसी डाक्टर की सलाह से ही लिया जाए।

Daily Post

The Emerging Anti-microbial Resistance Society orgnised a motorbike rally to convey the message on the judicious use of antibiotics across the Tricity at Sector 32 in Chandigarh on Saturday. SANJAY GHILDIYAL

Dainik Savera

एंटी बायोटिक्स के गलत उपयोग से होने वाले दुष्प्रभाव बारे बताया

मोहाली , 22 नवंबर (शर्मा) : एमर्जिंग एंटीमाइक्रोबॉयल रजिस्टैंस सोसायटी (ई.ए.आर.एस.), एक अलाभकारी, गैर सरकारी संगठन है जोकि देश में एंटीमाइक्रोबॉयल प्रतिरोध के मामलों, कारणों और प्रकारों के बारे में अच्छी तरह से समझने के बाद तथ्यों को एकत्र करेगा और इनसे निपटने के लिए नए उपायों को परिभाषित कर रहा है, के इस दूसरे सत्र में 'अवेयरनैस वीक ऑन एंटीबॉयोटिक नॉलेज एंड एजुकेशन', (अवेक) अभियान, आयोजित किया गया। इसमें एंटीबायोटिक दवाओं के तार्किक इस्तेमाल को प्रोत्साहित किया जा रहा है और इस सप्ताह के समापन के मौके पर नैशनल इंस्टीच्यूट ऑफ फार्मास्यूटीकल एजुकेशन एंड रिसर्च (नाइपर), मोहाली से एक मोटरसाइलिक रैली जनरल हॉस्पिटल, पंचकूला तक आयोजित की गई।

इन दवाओं के बिना किसी सोच-समझ के इस्तेमाल से जानलेवा बैक्टीरियल समूहों को फिर से मजबूत होकर वापसी करने का मौका मिला है और वे अब सबसे सशक्त एंटीबायोटिक्स से भी बेअसर रहते हैं। एक दवा प्रतिरोधी बैक्टीरिया समूह कई बार जान तक जोखिम में डाल सकते हैं। इस बढ़ती समस्या के बारे में लोगों का ध्यान आकर्षित करने के लिए एमर्जिंग एंटीमाइक्रोबॉयल रजिस्टैंस सोसायटी (ई.ए.आर.एस.) ने 15 से 22 नवंबर तक एक सप्ताह तक चलने वाला जागरूकता अभियान आयोजित किया। एंटीबॉयोटिक्स के तार्किक इस्तेमाल को प्रोत्साहित करने के लिए इस अभियान में डॉक्टर्स, क्लीशियंस, फार्मासिस्ट्स और आम लोगों को जोड़ा गया।

रैली में शामिल वालंटियर्स ने बैनर्स पकड़े हुए थे, जिन पर विभिन्न संदेश लिखे थे जैसे कि इन कफ, कोल्ड एंड स्लीज, नो एंटीबायोटिक प्लीज, यूज एंटीबायोटिक्स वाइजली और वी हैल्दी, टेक एक्शन टुडे टू सेव टुमारो। इस काफिले में 60 से अधिक मोटरसाइकिल शामिल थे जिन्हें ई.ए.आर.एस. वालंटियर्स ने चलाया और 22 किलोमीटर की दूरी तय की और ट्राईसिटी के सभी प्रमुख अस्पतालों को कवर किया।

ई.ए.आर.एस. वालंटियर्स के प्रयास की सराहना करते हुए ई.ए.आर.एस. के चेयरमैन डा. मनु चौधरी ने कहा कि 'अवेक अभियान को दूसरे साल में ही शानदार सफलता मिली है।

▲ ई.ए.आर.एस. अभियान दौरान मोटरसाइकिल पर रैली निकालीते लोग तथा (दाएं) नाटक पेश करते सदस्य। (बब्बर)

रैली का स्वागत करते हुए डा. सचिन वर्मा, इंटेनिसीविस्ट, आई.वी.वाई. हॉस्पिटल, मोहाली ने ई.ए.आर.एस. के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि लोगों को एंटीबायोटिक्स के गलत उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक बनाना होगा। इसके परिणाम भयावह हो सकते हैं। हमने ईएआरएस के प्रयासों को समर्थन दिया है और एंटीबायोटिक सर्वुलैंस कार्यक्रम का समर्थन किया है जिससे अस्पतालों, डॉक्टर्स, रिसर्चर्स और क्लीनिशयंस को एक साथ लाया जा सकेगा। हमें ये समझना होगा कि सामान्य साफ सफाई और सैनीटेशन प्रक्रियाओं जैसे कि हाथ धोने, आम घरों और अस्पतालों आदि में, कई प्रकार के संक्रमणों को दूर रखा जा सकता है।

ई.ए.आर.एस. के वाइस प्रैजीडैंट एवं महासचिव डा. पंकज मंडाले ने कहा कि 'इस सप्ताह भर के अभियान के दौरान ई.ए.आर.एस. आम लोगों को बड़ी संख्या में एस.एम.एस. भेजकर भी एंटीबायोटिक्स के सही इस्तेमाल के बारे में जागरूकता संदेश दिया गया।

डा. चौधरी ने बताया कि 'भारत में लंबी अवधि के समाधानों पर सहमति बढ़ाने के माध्यमों को आगे बढ़ाने के लिए ई.ए.आर.एस. ने पूरे भारत के स्वास्थ्य देखभाल संस्थानों और रिसर्च सैंटर्स का एक विस्तृत नेटवर्क भी स्थापित किया है जोकि एंटीमाइक्रोबायल प्रतिरोध पर नजर रखने और प्रतिरोध के नए रूझानों को समझने में मदद करेंगे।

Dainik Savera

एंटीबॉयोटिक्स के गलत इस्तेमाल के खिलाफ चलाया अभियान

▲ रैली निकालते हुए ई.ए.आर.एस. वालंटियर्स। -लवदीप

चंडीगढ़ (मनोज) : 60 बाइकस का एक कारवां ई.ए.आर.एस. वालंटियर्स के साथ 22 किलोमीटर का सफर तय कर ट्राईसिटी के बड़े अस्पतालों में गया। ई.ए.आर.एस. ने 15 से 22 नवंबर तक विभिन्न गतिविधियां आयोजित कीं ताकि डाक्टर्स, क्लीनिशयर्स, फार्मासिस्ट्स और आम लोगों के बीच एंटीबॉयोटिक्स के तार्किक इस्तेमाल को लेकर जागरूकता बढ़ाई जा सके। ई.ए.आर.एस. इनीशिएटिव के तहत रिसर्च लैब्स, क्लीनिक्स, इंस्टीच्यूट्स, फार्मासियुटिकल पब्लिकेशंस से 18 एंडोर्समैंट मिले, आम लोगों का समर्थन भी मिला। इसके साथ ही ई.ए.आर.एस. की सदस्यता पिछले साल की 11 हजार से बढ़कर 20 हजार से अधिक हो गई है।

Desh Sewak

ਐਂਟੀਬਾਇਓਟਿਕ ਦਵਾਈਆਂ ਦੀ ਸਹੀ ਵਰਤੋਂ ਬਾਰੇ ਜਾਗਰੂਕਤਾ ਅਭਿਆਨ ਤਹਿਤ ਬਾਈਕ ਰੈਲੀ

ਮੋਹਾਲੀ/22 ਨਵੰਬਰ/ਹਰਬੰਸ ਬਾਗੜੀ

ਐਂਟੀਬਾਇਓਟਿਕ ਦਵਾਈਆਂ ਦੀ ਸੁਜੱਚੀ ਵਰਤੋਂ ਅਤੇ ਡਾਕਟਰਾਂ ਵਲੋਂ ਬਹੁਤ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੋਣ ਤੇ ਹੀ ਇਹ ਦਵਾਈਆਂ ਲਿਖਣ ਸੰਬੰਧੀ ਜਾਗਰੂਕਤਾ ਫੈਲਾਉਣ ਲਈ ਅੱਜ ਇੱਕ ਬਾਈਕ ਰੈਲੀ ਦਾ ਆਯੋਜਨ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਰੈਲੀ ਵਿੱਚ ਸਵਾਰ ਬਾਈਕ ਸਵਾਰਾਂ ਨੇ ਆਪਣੇ ਹੱਥਾਂ ਵਿੱਚ ਐਂਟੀਬਾਇਓਟਿਕ ਦਵਾਈਆਂ ਕਾਰਨ ਹੋਣ ਵਾਲ ਨੁਕਸਾਨ ਅਤੇ ਉਹਨਾਂ ਦੀ ਲੋੜ ਅਨੁਸਾਰ ਹੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰਨ ਸੰਬੰਧੀ ਤਖਤੀਆਂ ਫੜੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਸਨ।

ਇਹ ਬਾਈਕ ਰੈਲੀ ਸੈਕਟਰ 67 ਵਿੱਚ ਸਥਿਤ ਨੈਸ਼ਨ ਇੰਚਟੀਚਿਊਟ ਆਫ ਫਾਰਮਾਸਿਟਿਕਲ ਰਿਸਰਚ (ਨਾਈਪਰ) ਤੋਂ ਆਰੰਭ ਹੋ ਕੇ ਸ਼ਹਿਰ ਦੇ ਵੱਖ ਵੱਖ ਹਸਪਤਾਲਾਂ (ਫੋਰਟਿਸ, ਕਾਸਮੋ, ਆਈ ਵੀ ਵਾਈ, ਮੈਕਸ ਆਦਿ ਤੋਂ ਹੁੰਦੀ ਹੋਈ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਦੇ ਸੈਕਟਰ 32 ਦੇ ਹਸਪਤਾਲ ਪਹੁੰਚੀ ਅਤੇ ਉਥੋਂ ਪੰਚਕੂਲਾ ਦੇ ਸੈਕਟਰ 6 ਸਥਿਤ ਹਸਪਤਾਲ ਵਿੱਚ ਜਾ ਕੇ ਸਮਾਪਤ ਹੋਈ।

Jag Bani

ਮੋਹਾਲੀ ਵਿਖੇ ਕੱਢੀ ਗਈ ਬਾਈਕ ਰੈਲੀ ਦੇ ਦ੍ਰਿਸ਼। (ਨਰਬਦਾ, ਉੱਜਲ)

ਐਂਟੀ ਬਾਇਓਟਿਕ ਦਵਾਈਆਂ ਬਾਰੇ ਜਾਗਰੂਕ ਕਰਨ ਲਈ ਬਾਈਕ ਰੈਲੀ ਦਾ ਆਯੋਜਨ

ਮੋਹਾਲੀ, 22 ਨਵੰਬਰ (ਪਰਦੀਪ, ਨਿਆਂਮੀਆ)-ਐਂਟੀ ਬਾਇਓਟਿਕ ਦਵਾਈਆਂ ਦੀ ਸੁਚੱਜੀ ਵਰਤੋਂ ਅਤੇ ਡਾਕਟਰਾਂ ਵਲੋਂ ਬਹੁਤ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੋਣ 'ਤੇ ਹੀ ਇਹ ਦਵਾਈਆਂ ਲਿਖਣ ਸਬੰਧੀ ਜਾਗਰੂਕਤਾ ਫੈਲਾਉਣ ਲਈ ਅੱਜ ਇਕ ਬਾਈਕ ਰੈਲੀ ਦਾ ਆਯੋਜਨ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਰੈਲੀ ਵਿਚ ਬਾਈਕ ਸਵਾਰਾਂ ਨੇ ਆਪਣੇ ਹੱਥਾਂ 'ਚ ਐਂਟੀ ਬਾਇਓਟਿਕ ਦਵਾਈਆਂ ਕਾਰਨ ਹੋਣ ਵਾਲੇ ਨੁਕਸਾਨ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਲੋੜ ਅਨੁਸਾਰ ਹੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰਨ ਸਬੰਧੀ ਤਖਤੀਆਂ ਫੜੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਸਨ।

ਇਹ ਬਾਈਕ ਰੈਲੀ ਸੈਕਟਰ-67 ਵਿਚ ਸਥਿਤ ਨੈਸ਼ਨਲ ਇੰਚਟੀਚਿਊਟ ਆਫ ਫਾਰਮਾਸਿਊਟੀਕਲ ਰਿਸਰਚ (ਨਾਈਪਰ) ਤੋਂ ਆਰੰਭ ਹੋ ਕੇ ਸ਼ਹਿਰ ਦੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਹਸਪਤਾਲਾਂ (ਫੋਰਟਿਸ, ਕਾਸਮੋ, ਆਈ.ਵੀ.ਵਾਈ., ਮੈਕਸ ਆਦਿ ਤੋਂ ਹੁੰਦੀ ਹੋਈ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਦੇ ਸੈਕਟਰ-32 ਦੇ ਹਸਪਤਾਲ ਪਹੁੰਚੀ ਅਤੇ ਉਥੋਂ ਪੰਚਕੂਲਾ ਦੇ ਸੈਕਟਰ-6 ਸਥਿਤ ਹਸਪਤਾਲ 'ਚ ਜਾ ਕੇ ਸਮਾਪਤ ਹੋਈ।

Punjab Kesari

मोहाली, 22 नवम्बर (नियामियां) : एंटीबॉयोटिक दवाओं के तार्किक इस्तेमाल को प्रोत्साहित करने के लिए और डाक्टर की तरफ से बहुत जरूरी होने पर ही यह दवा लिखने संबंधित जागरूकता फैलाने के लिए मोहाली में एक बाइक रैली का आयोजन किया गया। रैली में सवार बाइक सवारों ने अपने हाथों में एंटीबॉयोटिक दवाओं के कारण होने बाल नुक्सान और उनकी जरूरत अनुसार ही प्रयोग करने सम्बन्धित तख्तियां पकड़ी हुई थीं। यह बाइक रैली सैक्टर 67 में स्थित नैशनल इंस्टीच्यूट ऑफ फॉर्मास्युटिकल रिर्सच (नाइपर) से आरंभ होकर शहर के अलग-अलग अस्पतालों (फोर्टिस, कासमो, आई.वी.वाई., मैक्स आदि से होती हुई चण्डीगढ़ के सैक्टर-32 के अस्पताल से पंचकुला के सैक्टर 6 स्थित हस्पताल में जाकर समाप्त हुई। मोहाली में एंटीबॉयोटिक दवाओं के तार्किक इस्तेमाल बारे निकाली गई बाइक रैली का दृश्य। *(नर्बदा)*

Rozana Spokesman

ਦਵਾਈਆਂ ਦੀ ਸਹੀ ਵਰਤੋਂ ਬਾਰੇ ਕੀਤਾ ਜਾਗਰੂਕ

ਐਸ.ਏ.ਐਸ. ਨਗਰ, 22 ਨਵੰਬਰ (ਸਤਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਧੜਾਕ) : ਐਂਟੀਬਾਇਉਟਿਕ ਦਵਾਈਆਂ ਦੀ ਸੁਚਜੀ ਵਰਤੋਂ ਅਤੇ ਡਾਕਟਰਾਂ ਵਲੋਂ ਬਹੁਤ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੋਣ 'ਤੇ ਹੀ ਇਹ ਦਵਾਈਆਂ ਲਿਖਣ ਸਬੰਧੀ ਜਾਗਰੂਕਤਾ ਫੈਲਾਉਣ ਲਈ ਅੱਜ ਇਕ ਬਾਈਕ ਰੈਲੀ ਦਾ ਆਯੋਜਨ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਰੈਲੀ ਵਿਚ ਸਵਾਰ ਬਾਈਕ ਸਵਾਰਾਂ ਨੇ ਅਪਣੇ ਹੱਥਾਂ ਵਿਚ ਐਂਟੀਬਾਇਉਟਿਕ ਦਵਾਈਆਂ ਕਾਰਨ ਹੋਣ ਵਾਲ ਨੁਕਸਾਨ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਲੋੜ ਅਨੁਸਾਰ ਹੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰਨ ਸਬੰਧੀ ਤਖ਼ਤੀਆਂ ਫੜੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਸਨ।

ਇਹ ਬਾਈਕ ਰੈਲੀ ਸੈਕਟਰ 67 ਵਿਚ ਸਥਿਤ ਨੈਸ਼ਨ ਇੰਚਟੀਚਿਊਟ ਆਫ਼ ਫ਼ਾਰਮਾਸਿਟਿਕਲ ਰਿਸਰਚ (ਨਾਈਪਰ) ਤੋਂ ਅਰੰਭ ਹੋ ਕੇ ਸ਼ਹਿਰ ਦੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਹਸਪਤਾਲਾਂ (ਫ਼ੋਰਟਿਸ, ਕਾਸਮੋ, ਆਈ.ਵੀ.ਵਾਈ, ਮੈਕਸ ਆਦਿ ਤੋਂ ਹੁੰਦੀ ਹੋਈ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਦੇ ਸੈਕਟਰ 32 ਦੇ ਹਸਪਤਾਲ ਪਹੁੰਚੀ ਅਤੇ ਉਥੋਂ ਪੰਚਕੂਲਾ ਦੇ ਸੈਕਟਰ 6 ਸਥਿਤ ਹਸਪਤਾਲ ਵਿਚ ਜਾ ਕੇ ਸਮਾਪਤ ਹੋਈ।

Satya Swadesh

बाइकर्स ने निकाली जागरूकता रैली

मोहाली

स्वदेश न्यूज

सेक्टर-67 नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मा स्यूटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (नाइपर) में एंटी बायोटिक बाइक रैली का आयोजन किया गया। आईवीबाई हस्पताल के सामने डॉकटरो और अल्य के आयोजकों ने संजुकत रूप से बताया की जब हम किसी दवा का रेगुलर इस्तेमाल करते रहते है तो हमारे शरीर में उस दवा का रजिस्टेंस लेवल बढ़ जाता है जिसके कारण एंटी बैटिक दवाएं उस समय काम करना बंद कर देती है जिस मसय हमें इनकी अधिक जरूरत होती है और आज की हमारी रैली का मुख्य मंतव भी यही है की हम लोगो में इस चीज के लिए अवेर्नेस फैला सके। रैली में आए बाइकर्स ने अस्पतालों में जाकर एंटीबायोटिक दवाओं से होने वाले नुकसान के प्रति लोगों को जागरूक किया। रैली में करीब 60 बाइकर्स ने हिस्सा लिया। रैली फोर्टिस, कोस्मो, आईवीआई, मैक्स से होते हुए सेक्टर-32 जीएमसीएच अस्पताल पहुंची। इसके बाद रैली पंचकूला के लिए निकली। रैली वहां सेक्टर-6 सरकारी अस्पताल में जाकर संपन्न हुई।

The Pioneer

EARS rally against drug-resistant bacteria finishes second week

PNS ■ MOHALI

The Emerging Antimicrobial Resistance Society (EARS), a non-profit organisation — which had waged a battle against drug-resistant bacteria that are defying antibiotics — concluded its second "Awareness Week on Antibiotic Knowledge and Education" (Awake) campaign to promote the rational use of antibiotics with a motorcycle rally from the National Institute of Pharmaceutical Education and Research in Mohali to General Hospital in Panchkula.

The irrational use of antibiotics has led to the emergence of dangerous bacterial strains against which even the most powerful antibiotics have stopped working. These strains could make even common infections life-threatening.

To draw attention to this growing problem, considered one of the world's gravest public health threats, EARS conducted a series of activities from November 15 to 22 to promote the rational use of antibiotics among the public.

A cavalcade of about 60 motorcycles, driven by EARS volunteers, traversed a distance of 22 km, covering major hospitals of the tricity.

They carried banners with slogans like "In cough, cold and sneeze, no antibiotics please", "Use antibiotics wisely and be healthy" and "Take action today to save tomorrow".

The Tribune

Bike rally deplores misuse of antibiotics

TRIBUNE NEWS SERVICE

CHANDIGARH, NOVEMBER 22

The Emerging Antimicrobial Resistance Society (EARS), an NGO, concluded its week-long campaign to stop misuse of antibiotics by holding a motorcycle rally.

A cavalcade of about 60 bikes driven by EARS volunteers traversed a distance of 22 km covering major hospitals in the tricity. The EARS conducted a series of activities from November 15 to 22 to promote rational use of antibiotics among doctors, clinicians, pharmacists and general public.

Times of India

EARS Awake campaign for rational antibiotic use ends

Shimona Kanwar, TNN | Nov 22, 2014, 03.13PM IST

g+1 1 Share

CHANDIGARH: The Emerging Antimicrobial Resistance Society (EARS), an NGO which has waged a determined battle against drug-resistant bacteria that are defying antibiotics, concluded its second "Awareness Week on Antibiotic Knowledge and Education" (Awake) campaign to promote the rational use of antibiotics with a motorcycle rally from the National Institute of Pharmaceutical Education and Research (NIPER) in Mohali to General Hospital, Panchkula.

The irrational use of antibiotics has led to the emergence of dangerous bacterial strains against which even the most powerful antibiotics have stopped working. These drug-resistant strains could make even common infections life-threatening. To draw attention to this growing problem, considered one of the world's gravest public health threats, EARS conducted a series of activities from November 15 to 22 to promote the rational use of antibiotics among doctors, clinicians, pharmacists and the general public.

Carrying banners with slogans like "In cough, cold and sneeze, no antibiotics please", "Use antibiotics wisely and be healthy" and "Take action today to save tomorrow", a cavalcade of about 60 motorcycles driven by EARS volunteers traversed a distance of 22 km, covering major hospitals of the tricity, including Ivy, Cosmo and Max hospitals in Mohali, Government Medical College and Hospital (GMCH), Chandigarh, Command Hospital, Chandimandir and General Hospital, Panchkula. At these hospitals, EARS volunteers were greeted by doctors who endorsed the EARS campaign and urged people not to take antibiotics without doctor's advice. EARS Chairperson Dr Manu Chaudhary applauded EARS volunteers for making the Awake campaign a grand success for the second consecutive year.

"The success of our initiatives is reflected in the fact that more than 20,000 people across the country have now joined EARS as members, up from 11,000 last year. They include doctors, researchers, students as well as the general public. We aim at doubling the membership by next year. This year, EARS has got 18 endorsements for this initiative from research labs, clinics, institutes and pharmaceutical publications," she said.

Stressing that no new drug discovery or revolutionary treatment technique can avert this threat unless people understand the importance of rational use of antibiotics, Dr Chaudhary said, "During the week long campaign, we propagated the importance of creating awareness among the masses about the dangers of antibiotic misuse and stopping the over-the-counter sale of these medicines. We thank all our supporters, especially the microbiologists and doctors who played a crucial role in making this campaign successful by constantly guiding and motivating us. We will take this campaign to its logical conclusion by continuing with such efforts in times to come."

In its efforts to facilitate a comprehensive understanding of the incidence, causes and patterns of antimicrobial resistance (AMR) in India, EARS has established a vast network of healthcare institutions and research centres across the country for the surveillance of bacterial strains resistant to antibiotics.

Stay updated on the go with The Times of India's mobile apps. Click here to download it for your device.

public

- ***EARS initiative receives 18 endorsements from research labs, clinics, institutes, pharmaceutical publications; public support evident as EARS membership crosses 20,000, up from 11,000 last year***

The Emerging Antimicrobial Resistance Society (EARS), a non-profit, non-governmental organisation which has waged a determined battle against drug-resistant bacteria that are defying antibiotics, concluded its second “Awareness Week on Antibiotic Knowledge and Education” (Awake) campaign to promote the rational use of antibiotics with an awareness walk at Batra Hospital here on Saturday.

The irrational use of antibiotics has led to the emergence of dangerous bacterial strains against which even the most powerful antibiotics have stopped working. These drug-resistant strains could make even common infections life-threatening. To draw attention to this growing problem, considered one of the world’s gravest public health threats, EARS conducted a series of activities from November 15 to 22 to promote the rational use of antibiotics among doctors, clinicians, pharmacists and the general public.

Carrying banners with slogans like “In cough, cold and sneeze, no antibiotics please”, “Use antibiotics wisely and be healthy” and “Take action today to save tomorrow”, about --- EARS volunteers, joined by doctors and paramedical staff of Batra Hospital, took out the awareness walk, urging people not to take antibiotics without doctor’s advice.

EARS Chairperson Dr Manu Chaudhary applauded EARS volunteers for making the Awake campaign a grand success for the second consecutive year. “The success of our initiatives is reflected in the fact that more than 20,000 people across the country have now joined EARS as members, up from 11,000 last year. They include doctors, researchers, students as well as the general public. We aim at doubling the membership by next year. This year, EARS has got 18 endorsements for this initiative from research labs, clinics, institutes and pharmaceutical publications,” she said.

Stressing that no new drug discovery or revolutionary treatment technique can avert this threat unless people understand the importance of rational use of antibiotics, Dr Chaudhary said, “During the weeklong campaign, we propagated the importance of creating awareness among the masses about the dangers of antibiotic misuse and stopping the over-the-counter sale of these medicines. We thank all our supporters, especially the microbiologists and doctors who played a crucial role in making this campaign successful by constantly guiding and motivating us. We will take this campaign to its logical conclusion by continuing with such efforts in times to come.”

Addressing EARS volunteers, Dr Neelam Khanna, Head of Microbiology Dept. at Batra Hospital, New Delhi, appreciated the initiative of EARS and stressed on the need to make people aware about the consequences of misuse of antibiotics. “We endorse the mandate of EARS to facilitate antibiotic surveillance programmes by bringing together hospitals, doctors, researchers and clinicians. We can contain this threat to a large extent by following simple hygiene and sanitation practices like washing hands, in both community and hospital settings.”

During the weeklong campaign, EARS generated awareness about the right use of antibiotics by sending across bulk SMSes to people and holding one-on-one meetings with doctors, microbiologists and chemists. “We also conducted cleanliness drives in tricity schools to drive home the importance of hygiene and sanitation in containing this threat,” said EARS Vice-President Dr Pankaj Mandale.

In its efforts to facilitate a comprehensive understanding of the incidence, causes and patterns of antimicrobial resistance (AMR) in India, EARS has established a vast network of healthcare institutions and research centres across the country for the surveillance of bacterial strains resistant to antibiotics. “We have adopted a multipronged approach with focus on encouraging research and innovation, rationalising antibiotic use, facilitating surveillance programmes and raising awareness about the right use of antibiotics. Exploring ways to evolve a consensus on long-term solutions, EARS has developed a software for antibiotic resistance surveillance called Electronic Bio-gram Information Network (E-BIN) across 15 states and set up 150 centres for data collection and analysis. We have mapped emerging AMR patterns for more than 15 antibiotics/combinations for close to 28,000 bacterial strains,” said Dr Chaudhary.

News Coverage

S. No.	Name of the Publications	Edition
1	Dainik Jagran	Delhi

2	Rashtriya Sahara	Delhi
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		

Dainik Jagran

Rashtriya Sahara

डॉक्टर की सलाह पर ही लें एंटीबॉयोटिक दवा

जागरण संवाददाता, दक्षिणी दिल्ली : स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करने वाली संस्था इमर्जिंग एंटीमाइक्रोबियल रेसिसटेंस सोसायटी के सदस्यों ने शनिवार को दक्षिणी दिल्ली के एक अस्पताल परिसर में डॉक्टरों के साथ पैदल मार्च निकाला। इस दौरान एंटीबॉयोटिक दवाओं के सेवन को लेकर लोगों को जागरूक किया गया। डाक्टरों ने कहा कि एंटीबॉयोटिक दवाओं का सेवन हमेशा डाक्टरों की सलाह पर ही लें। डॉ.नीलम खन्ना ने कहा कि पुरानी कहावत है कि सौ दवाइयों से अच्छा है संयम। हमलोग अपने रहन-सहन व साफ-सफाई पर ध्यान दें तो कई बीमारियों से बच सकते हैं। जब हम बीमार नहीं पड़ेंगे तो एंटीबॉयोटिक दवाइयों के सेवन की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।

डॉक्टर के परामर्श के बिना एंटीबॉयोटिक दवा के इस्तेमाल से होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक करते स्वंयसेवी संस्था के सदस्य व डॉक्टर।

'प्रतिबंधित दवाएं बिक रहीं धड़ल्ले से'

नई दिल्ली (एसएनबी)। डॉक्टरों के प्रेसक्रिप्शन के बिना अंधाधुंध एंटीबायोटिक दवाओं के दुरुपयोग को रोकने और इन दवाओं के सेवन से होने वाले दुष्प्रभाव के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए रैली निकाली गई। इमरजिंग एंटी माइकोबियल रेसिस्टेंस सोसायटी (ईएएमआरएस) की ओर से बतरा अस्पताल से निकाली गई इस जागरूकता रैली में डॉक्टर, नर्स, मरीज शामिल थे। उनके हाथों में पोस्टर व बैनर थे। इस पर 'स्टॉप एंटीबायोटिक मेडिसिन इन कफ, कोल्ड एंड स्नीज, 'टेक एक्शन फॉर स्टाफ फॉर बेटर फ्यूचर', डॉक्टर के परामर्श के बाद ही दवाओं को करें सेवन आदि स्लोगन लिखे थे। सोसायटी की अध्यक्ष डॉ. मनु चौधरी ने कहा कि जिन 100 दवाओं को औषध विभाग ने पाबंदी लगा दी है वे भी ओवर द काउंटर, बाजार में धड़ल्ले से बिक रही हैं। इस पर रोक लगनी चाहिए। यह सोसायटी की ओर से आयोजित दूसरा जागरूकता सप्ताह था। इसकी शुरुआत 22 नवम्बर को हुई थी। बत्तरा अस्पताल में माइक्रोलॉजी विभाग की डॉ. नीलम खन्ना, सोसायटी के उपाध्यक्ष डॉ. पंकज मन्डाले ने रैली में एंटीबायोटिक दवाओं के दुरुपयोग रोकने के लिए एकजुट प्रयास करने की अपील की। उन्होंने कहा कि ये दवाएं अन्य कई गंभीर रोग का कारण बन सकती हैं।

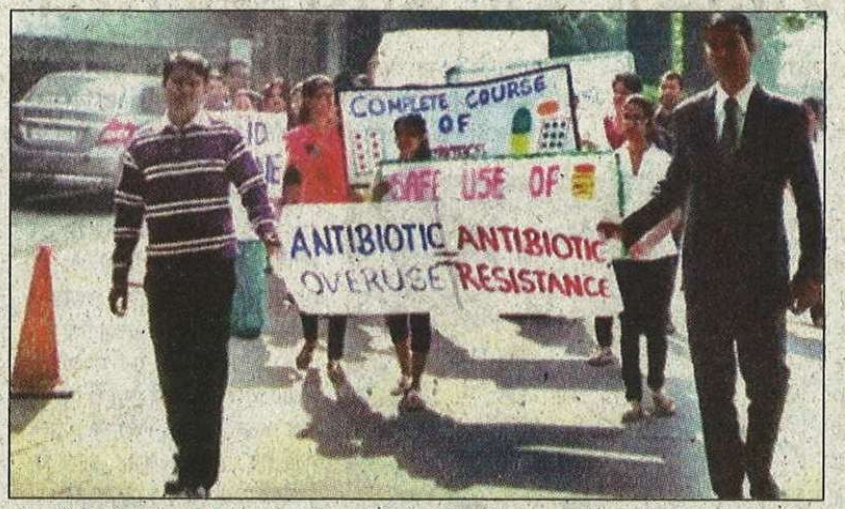

डॉक्टरों के प्रेसक्रिप्शन के बिना इस्तेमाल हो रहीं एंटीबायोटिक दवाओं पर रोक लगाने को लेकर जागरूकता रैली निकालते डॉक्टर व नर्स।

- अंधाधुंध एंटीबायोटिक दवाओं का प्रयोग सेहत के लिए नुकसान
- दुष्प्रभाव के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए रैली निकाली